साथियो,

बोनस कब से बंद है इससे आप लोग बखूबी वाकिफ है | बोनस कब तक मिलता था और क्यों मिलता था इसके बारे में आपको सोचना चाहिए | NFTE ने जब सत्ता BSNLEU को सौपी थी तब BSNL 40, 000 करोड़ के फायदे में था | ऐसा क्या हुआ की BSNLEU के सत्ता में आते ही BSNL घाटे में जाने लगा | BSNL के घाटे में जाने का खामियाजा कर्मचारियों / अधिकारियो को सर्वप्रथम बोनस बंद के निर्णय के रूप में भुगतना पड़ा | साथियो BSNL घाटे में क्यों गया इसके बारे में आपको विचार करना चाहिए |

BSNLEU एक मात्र मान्यता प्राप्त यूनियन थी उस अवधि में BSNLEU के नेताओं ने प्रबंधन के साथ मिलकर जबरदस्त भ्रष्टाचार का खेल खेला उसी का परिणाम था की BSNL दिन प्रतिदिन घाटे में जाने लगा और कर्मचारियों को मिलने वाली सुविधाये छिनने लगी | 2013 में हुए चुनाव के बाद NFTE को मान्यता मिली | मान्यता मिलते ही NFTE ने पहला काम यह किया की लगातार 8 -9 वर्षो से जो भ्रष्टाचार का खेल BSNLEU एवम् प्रबंधन के द्वारा खेला जा रहा था उस पर लगाम लगायी | भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने में NFTE को लगभग 1 वर्ष लग गया | भ्रष्टाचार पर लगाम लगते उसका परिणाम आपके सामने है | BSNL प्रॉफिट में आ गया , प्रॉफिट में आते ही सर्वप्रथम NFTE ने प्रबंधन के सामने बोनस का भुगतान करने हेतु दवाब बनाया गया | प्रबंधन के ऊपर दवाब का असर इतना था की उसने PLI कमेटी बनाकर कर्मचारियो को बोनस प्रदान करने की स्वीकृति दे दी |

BSNLEU को यह बात बर्दास्त नहीं हुई कि NFTE को मान्यता मिलते ही उसने कर्मचारियों को बोनस दिलवाने की स्वीकृति प्रदान करवा दी | BSNLEU ने आनन् - फानन में धरना प्रदर्शन हेतु एक लैटर निकाल दिया | जब से बोनस या अन्य सुविधाये बंद हुई है तब BSNLEU ने इसका कोई विरोध नहीं किया , कोई धरना प्रदर्शन नहीं किया इसका मतलब हम क्या समझे ??? एक बार फिर जब कर्मचारियों को उनका हक मिलने जा रहा है तो फिर BSNLEU उस हक़ से कर्मचारियों को वंचित करने का काम कर रही है | BSNLEU को डर सता रहा है कि कही अगर बोनस का भुगतान हो गया तो सारा श्रेय NFTE को मिल जायेगा | इसी सोची समझी रणनीति के तहत बोनस का भुगतान रुकवाने के लिए यह धरना प्रदर्शन किया जा रहा है |

2007 में bsnleu ने EX को 25000/- एवं non EX को 10000/- बोनस का समझोता किया था। 2008 में जब BSNL की हालत ख़राब हो रही थी तब नम्बूदरी जी ने CMD से कहा कि हमारे लोग अधिक काम कर इस वर्ष 50000 करोड़ कमा कर देगें।गिड़गिड़ाते हुए बोले कि 10000 का बोनस दे दें। निगम ने इन पर भरोशा कर सभी को 10000 बोनस दिया। पर उस वर्ष् सिर्फ 18000 करोड़ ही कमा पाये। उसके बाद से निगम का भरोशा इन पर से उठ गया एवं उसके बाद से बोनस बंद हो गया। अतः अब NFTE के आने से विभाग लाभ में आया है और बोनस देने हेतु तैयार है। हमने निगम से कहा कि अभी 4000 सभी को दे दो,बाद में फार्मूला बनने के बाद शेष भुगतान कर देना। BSNLEU का कहना है कि 1 बेसिक पे से कम् नही।

निगम ने सोचा होगा कि तमंचे का लायसेंस बनवाने आये थे अब बन्दूक का मांगने लगे।

"तुमको मिर्ची लगी तो मैं क्या करुँ"

KS THAKUR

ACS NFTE MP BHOPAL